पाठ 12. बकरी दो गाँव खा गई

पाठ का परिचय

यह पाठ इनसान की नीयत का उसके वातावरण पर प्रभाव दिखाता है। बादशाह अकबर एक बार मार्ग से गुज़र रहे थे। वे बहुत थके हुए थे। तभी उन्होंने खेत में काम करते एक किसान को देखा और उससे एक लोटा गन्ने का रस पिलाने के लिए कहा। किसान एक गन्ने के रस से लोटा भरकर ले आया। अकबर को रस बहुत पसंद आया तो उन्होंने पूछा कि कितने गन्नों का रस था। किसान ने जब बताया कि एक ही गन्ने का रस था तो उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ। किसान ने अधिक रस निकलने का कारण बादशाह की अच्छी नीयत को बताया। उन्होंने किसान से पूछा कि वह कितना लगान चुकाता है तो किसान ने उत्तर दिया पच्चीस पैसे। अब अकबर को और अधिक आश्चर्य हुआ और उन्होंने मन-ही-मन सोचा कि आगरा पहुँचकर इस खेत का लगान बढ़ा देंगे। वहाँ से जाने से पहले अकबर ने किसान को एक और लोटा गन्ने का रस पिलाने के लिए कहा। किसान लोटा लेकर रस भरने लगा तो उसने एक-दो-तीन-चार गन्नों का रस निकाला परंतु लोटा न भर सका। निराश किसान ने बादशाह को रस का लोटा दिया तो उन्होंने पूरा न भरकर लाने का कारण पूछा। किसान बोला कि शायद बादशाह की नीयत बिगड़ गई है। अकबर को बड़ा झटका लगा। वे आश्चर्य से किसान का मुँह देखते रहे कि उसने उन्हें कितनी बड़ी बात समझाई कि कैसे इनसान की नीयत, उसके भाव-विचार का प्रभाव उसके वातावरण और प्रकृति पर भी होता है। अकबर इस बात से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने किसान के खेत का लगान पूरी तरह माफ़ कर दिया, और उसे फिर से गन्ने के रस से लोटा भर लाने को कहा। इस बार फिर एक ही गन्ने के रस से लोटा भर गया। खुश होकर अकबर ने पीपल का एक पत्ता उठाया और उस पर किसान के नाम दो गाँव लिख दिए और उसे अगले दिन आगरा आकर पक्के कागज़ बनवा लेने के लिए कहा। किसान ने पीपल का पत्ता रख लिया। अकबर चले गए।

कुछ देर बाद किसान काम के ध्यान में पत्ते की बात भूल गया। और पत्ते खाते-खाते उसकी बकरी वह पत्ता भी खा गई। जब किसान को याद आया तो वह रोता चिल्लाता आगरा पहुँचा कि बकरी दो गाँव खा गई। अकबर ने उसे देखते ही पहचान लिया और उसके भोलेपन पर हँसते हुए दो गाँव के पक्के कागज़ उसके लिए बनवा दिए।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

मनुष्य को जीवन में सकारात्मक सोच और अच्छी नीयत के साथ आगे बढ़ना चाहिए। क्योंकि इससे उसके आस-पास का वातावरण भी अच्छा रहता है।

पाठ का वाचन

अध्यापक/अध्यापिका पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। पाठ में आई कठिन पंक्तियों का आशय स्पष्ट करें। पाठ पढ़ाते समय बीच-बीच में छोटे-छोटे प्रश्न पूछते जाएँ ताकि पता चले कि बच्चों को पाठ समझ में आया या नहीं। पाठ का वाचन बच्चों से भी करवाएँ। बच्चों के उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा बच्चों से करें –

- नकारात्मक सोच का क्या प्रभाव होता है?
- सकारात्मक सोच का क्या प्रभाव होता है?
- अच्छी नीयत से क्या तात्पर्य है?
- देने का सुख पाने से अधिक होता है। कैसे?